माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Hindi (General)	0 5 1	English

A- 3719494

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	2	8	7	8	4	2	4	3	2
शब्दों में	TWO EIGHTSE[illegible]								

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 15

ग :– परीक्षा का दिनांक 10 03 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2018

केन्द्र क्रमांक–792167

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Shankarlal 10.3.18	केन्द्राध्यक्ष विवेक ज्योति हायर सेके[illegible] स्कूल लालबर्रा

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	Pramila Gondal V.No.-8170[illegible]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

2

योग पूर्व पृष्ठ + अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 01 का उत्तर

(i) हास्य

(ii) 142

(iii) त्रिधारा

(iv) भारतेन्दु

(v) अनेकार्थी

प्रश्न - 02 का उत्तर

(i) (ब) 1902

(ii) (स) गोविन्द सिंह

(iii) (अ) दारा

(iv) (द) कनकलता

(v) (ब) कुछ भी हानि न होना

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 03 का उत्तर

(i) "असत्य"

(ii) "सत्य"

(iii) "सत्य"

(iv) "सत्य"

(v) "असत्य"

BSE

प्रश्न - 04 का उत्तर

(i) जागो फिर एक बार - निराला

(ii) सृजन यात्रा की साथी - पुस्तकें

(iii) गागर मे सागर - संक्षेपण

(iv) लोकोक्तियाँ - संपूर्ण वाक्य

(v) ट्रेजडी का पारिभाषिक शब्द - त्रासदी

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 05 के उत्तर

(i) धरती का ताज हिमालय को कहा गया है।

(ii) देवेन्द्र दीपक का जन्म सन 1934 मे हुआ।

(iii) प्रक्रिया सामग्री का तकनीकी शब्द Soft ware है।

(iv) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के आठ (8) भेद होते है।

B (v) 'दक्षिण भारत की झलक' के लेखक आचार्य आचार्य विनय मोहन 'विरात्मा' है।

E

प्रश्न - 06 के उत्तर

पर्यायवाची शब्द -

1 चंद्रमा - चाँद, शशि

बादल - जलधर, मेघ

हवा - वायु, पवन

5 पानी - जल, नीर

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 07 का उत्तर

समास विग्रह - और नाम (कोई दो)

(i) सत्याग्रह
विग्रह - सत्य के लिये आग्रह
नाम - चतुर्थी तत्पुरूष समास

(ii) माता - पिता
विग्रह - माता और पिता
नाम - द्वन्द्व समास

प्रश्न - 08 के उत्तर

भाव पल्लवन
" दूर के ढोल सुहावने होते हैं "
प्रस्तुत पद का भाव पल्लवन
"दूर के ढोल सुहावने होते हैं का आशय यह है कि दूर की साधारण वस्तु भी महत्त्वपूर्ण तथा प्रिय लगती है। अर्थात यदि किसी व्यक्ति के कोई वस्तु है तो वह उसका मूल्य नही समझता है परन्तु यदि वही वस्तु दूर हो तो वह मूल्यवान लगने लगती है।"

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 09 का उत्तर

रचना के आधार पर वाक्य तीन (3) प्रकार के होते हैं।
जो निम्नलिखित इस प्रकार है -
(1) साधारण वाक्य
(2) संयुक्त वाक्य
(3) मिश्र वाक्य

प्रश्न - 10 का उत्तर

चार तकनीकी शब्द निम्नलिखित है -

(1) तदर्थ - Ad hoc
(2) संवर्ग - Cadre
(3) अनुदान - Grant
(4) रेखाचित्र - Diagram.

प्रश्न - 11 का उत्तर

अनेकार्थी शब्दों के अलग - अलग अर्थ लिखकर वाक्य मे प्रयोग -

1) घटा - काले बादल
वाक्य - आज मौसम बहुत सुहावना है। आसमान मे घटा छाये हुए है।
घटा - कम होना
वाक्य - अब पेट्रोल का दाम घटा है।

प्रश्न क्र.

(2) अंक - गोद
वाक्य - माँ मुझे अपने अंक में ले लिजिये ।
अंक - संख्या
वाक्य - तुम्हारे अंक पिछली परिक्षा से ज्यादा है।

प्रश्न 12 का - उत्तर

नारायण का अर्थ ही होता है नारासु अयनं यस्य स: अर्थात जिसका निवास स्थान जल मे हो । जब बाबू गुलाबराय का घर, अधिक वर्षा होने के कारण चारो ओर से पानी मे मग्न हो गया था तब बाबू गुलाबराय ने स्वयं को नारायण कहा था ।

प्रश्न - 13 का उत्तर

चंद्रकान्त अंग्रेजी सभ्यता व रहन सहन का प्रेमी था । और इसलिये वह एलोपेथिक दवाई पर विश्वास करता था । विनोद का स्वास्थ्य खराब होने पर के उसने डॉ. गुप्ता को बुलाने का फैसला किया था । उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष की थी ।

यो

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 14 का उत्तर

विषय के आधार पर निबंध को चार (4) भाग मे बाँटा गया है। जो निम्नलिखित है

1) वर्णनात्मक
2) विवरणात्मक
3) विचारात्मक
भावात्मक

E
S
E

प्रश्न - 15 का उत्तर

व्यास शैली - व्यास का अर्थ होता है "विस्तार" अर्थात व्यास शैली मे लिखे गये निबन्धो मे 'भाव का विस्तार" होता है। ऐसे निबंधो मे भाषा की सरलता, स्पष्टता और सहजता रहती है। प्राय: विवरणात्मक निबंध तथा वर्णनात्मक निबन्ध इस श्रेणी मे आते है और व्यास शैली के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है - महावीर प्रसाद द्विवेदी जी।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 16 का उत्तर

कवि रहीम जी ने कुएँ के जल की अपेक्षा

प्रश्न - 16 का उत्तर

कवि रहीम जी ने समुद्र की के जल की अपेक्षा कुएँ के जल को श्रेष्ठ इसलिए बताया है क्योंकि समुद्र मे अथाह जल होने के बाद भी वह पीने योग्य नही होता अर्थात वह किसी व्यक्ति की प्यास बुझाकर उसे तृप्त क नही कर सकता। परन्तु, कुएँ मे समुद्र की तुलना मे बहुत कम जल होने पर भी प्यास बुझा देता है। अतः कवि रहीम जी का यह आशय है प्रत्येक तृप्तकारी वस्तु श्रेष्ठ होती है। इस प्रकार उन्होंने कुएँ के जल को तृप्तकारी वस्तु होने के कारण समुद्र के जल से श्रेष्ठ बताया है। प्रत्येक संतोष प्रदान करने वाली वस्तु श्रेष्ठ होती है।

प्रश्न - 17 का उत्तर

"हम कहा जा रहे है" कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते है कि हम अपनी पौराणिक तथा वैदिक काल से चली आ रही परम्पराओं, संस्कृति

प्रश्न क्र.

व सभ्यता से दूर जा रहे है अर्थात
हम पाश्चात्य संस्कृति को अपना रहे है
और आधुनिक होने की दुदुभी बजा
रहे है। हमारी सभ्यता और संस्कृति
विश्व मे सर्वश्रेष्ठ है यह जानकर भी
हम उसे नकार रहे है और पाश्चात्य
नियमावली का अनुकरण कर रहे है।
हम ने अपनी संस्कृति जैसे वास्तुकला,
तत्वज्ञान, योग आदी आदि को विदेशीयो
के हवाले कर दिया है और अब उसे
फेंग्सूई, रेकी या योगा कहकर अपना
रहे है। यह हमारे जीवन मे बाधक
तत्व का कार्य करेगी। अर्थात कवि का
आशय यह है कि हम आधुनिक
होते जा रहे है। और पाश्चात्य संस्कृति
को अपना रहे है।

प्रश्न - 18. का उत्तर

पंचतत्व के गुणो को कवि ने माँ के
व्यक्तित्व मे बताया है। कवि कहते
है कि माँ में धरती माता के समान
धैर्यता का गुण है अर्थात माँ में बहुत
धैर्यता हो है और उसमें आकाश के
समान जो ज्योतिर्मय प्रकाश है और
अग्नि के समान लपट है तथा

यो

प्रश्न क्र.

वायु के समान गतिमय व्यापकता है। और माँ के व्यक्तित्व मे जल के समान गंभीरता होती है। इस प्रकार माँ के व्यक्तित्व मे पंचतत्व के गुण निहित होते है। माँ का व्यक्तित्व अत्यन्त विराट है। माँ ही हमे अपने जीवन के संघर्षों मे विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देती है। माँ ममतामयी भी है और पूजनीय भी। इस प्रकार माँ पंचतत्व के गुणों को धारण करती है

प्रश्न - 19 का उत्तर

दुनिया मे दो अमोघ शक्ति है - 'शब्द और कृति'। कस्तूरबा की निष्ठा कृति मे अधिक थी। इसमे कोई संदेह नही है कि शब्द ने सारे विश्व को हिला कर रखा है। महात्मा जी ने दोनों ही शक्तियो की असाधारण उपासना की। परन्तु बा अर्थात कस्तूरबा जी ने कृति को सर्वश्रेष्ठ माना और उसकी उपासना करके जीवनसिद्धी प्राप्त की। और उन्होंने अपनी कृति निष्ठा के बल पर सिद्ध कर दिखाया कि शुद्ध और साहित्य के रोचक पहाड़ो की अपेक्षा कृति का एक क्षण भी कितना मुल्यवान व भावदार होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

जो व्यक्ति शब्द की उपासना करता है उसे कर्तव्य और अकर्तव्य मे सदैव संदेह रहता है। परन्तु कृतिनिष्ठ व्यक्ति को यह परेशानी कभी नही होती और उनका कर्तव्य हमेशा एक दिये के समान स्पष्ट होता है।

B S E

प्रश्न - २० का उत्तर

जब लेखिका जेल मे थी तब उनकी सेवा के लिए दो महिलाओं को रखा था। उसमे से एक, जिसका नाम था लखिया, वह उन भिखारी बच्चो की माँ थी। एक रात अत्यधिक तुफान आया और बादल गरजे तथा लगातार वर्षा हुई। दोनों ही माताओं ने भगवान से प्रार्थना किये की बच्चो की रक्षा करना।

दूसरे दिन अखबार मे यह खबर छपी की लगातार वर्षा होने के कारण कल रात नाले के पास मे तीन बच्चें पानी मे बहकर मर गये। और उनकी लाश मिली है। दो लड़की है और एक लड़का और अत्यन्त कोशिश करने पर भी उनका शिनाख्त नही हुआ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

पता चला है कि वे बच्चे गाना गाकर भीख माँगा करते थे। लेखिका एकदम शान्त हो गयी और लखिया के बार बार पूछने पर भी वह उसे कुछ नही बता पाई।

प्रश्न - 21 का उत्तर

स्थितप्रज्ञता अर्थात स्थिर स्थिर बुद्धि प्राप्त करने का एक मात्र उपाय है। अपने मन किसी परम तथा उच्च लक्ष्य मे लगाकर हम स्थितप्रज्ञता को प्राप्त कर सकते है। लोक कल्याण का कार्य, राष्ट्र की सेवा, दीन दुखियो की सेवा इस श्रेणी मे आते है। और विद्यार्थी जीवन मे उनका परम लक्ष्य अध्ययन होना चाहिये। और अपने जीवन मे कुछ उच्च पद पाने अथवा उच्च कार्य करने मे लगाना चाहिये। इन्द्रियों के वश मे आकर मन बाह्य चकाचौंध से तथा मानसिक स्मृतियो से अपनी एकाग्रता को भंग कर देता है तथा इससे उसे लगता है कि वह अब कुछ नही कर पायेगा और उदास हो जाता है। इस प्रकार स्थिर तथा अविचल प्रज्ञा प्राप्त कर सकते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 22 का उत्तर

शरीरबल और आत्मबल मे लेखक ने आत्मबल को श्रेष्ठ माना है । क्योंकि बल अंधा होता है और उसकी पथ - प्रदर्शक होती है बुद्धि । और उसका सदुपयोग करने से वह श्रेष्ठ हो जाता है । अब बल दो रूपों मे प्रदर्शित होता है । जब वह शरीर का स्पर्श पाता है तो क्रूरता के जघन्य एवं घृणित नाम से उद्घोषित होते हैं परन्तु आत्मा का स्पर्श उसे वीरता के पुनीत नाम से उद्घोषित करता है ।

आज विश्व कल्याण के लिये दोनो मे से आत्मबल को श्रेष्ठ माना है । भारत आत्मबल का उपासक है । और पश्चिम शरीर बल का । लेखक ला दोनों मे आत्माबल को श्रेष्ठ बताता है और कहता है कि विवेक का सहचर्य उसे स्वर्ग ले जायेगा । तथा आज जन कल्याण के लिये प्रेम तथा त्याग का संयोग आवश्यक है । आत्मबल का गौरव का सारे विश्व मे व्याप्त होता है तथा बुद्धि और बल का संयोग - श्री का पुनीत वरदान होता है ।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 23. का उत्तर

'माँ बस यह वरदान चाहिये' कविता मे कवि माँ से यह वरदान माँगता है कि वह सदैव देश के हित मे काम आए। इसलिए वह स्वार्थ भाव का क्षण-क्षण त्याग करने को कहता है। कवि कहते है कि मेरी हार तथा देश की जय हो और उनके मन से स्वार्थ भाव हमेशा के लिए चले जाये। और उनका प्रत्येक कार्य देश की उन्नति, प्रगति एवं विकास के काम आए और भ उनका शरीर तिल-थोड़े-थोड़े कर भी जले परन्तु सदैव देश हित का कार्य करे। वे माँ से सदैव गतिमान रहने का वरदान माँगते हुऐ कवि जीवन के संघर्षों पर विजय प्राप्त करने के लिए कहते है। वे कहते है कि यह जीवन अनेक प्रकार की विपत्तियों तथा संकटो से घिरा हुआ है और मुझे यह वरदान दीजिये की मैं इन संघर्षों से लड़कर तथा विजय प्राप्त करके देश हित का कार्य कर सकूं।

B
S
E

16

प्रश्न क्र.

प्रश्न - २४ का उत्तर

=> तप ... ... मधी।।

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद "मकरंद" के पाठ यशोधरा की व्यथा से लिया गया है जिसके कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त जी है।

प्रसंग => प्रस्तुत पद्यांश मे कवि यशोधरा की विरह वेदना को ऋतु के उद्दीपनो के माध्यम से व्यक्त करते है।

B

S

व्याख्या => प्रस्तुत पद्यांश मे कवि कहते है कि यशोधरा अपनी सखी से कहती है कि वे मेरे प्रियतम मोहन के समान और स्वयं को गोपी के समान मानती है तथा उद्धव से कहती है कि यह जो ग्रीष्म ऋतु का ताप है वह मे वस्तुत: मे मोहन की तपस्या का परिणाम है जिसके कारण यह धूल उड़ती दिखाई दे रही है। कहाँ एक ओर मेरे प्रियतम तपस्या कर रहे है और मुझे तो विभूति लगाने का भी अवसर प्राप्त नही हो रहा है। मेरा कण्ठ सूखता जा रहा है। और सारा संसार छल अर्थात भ्रम लग रहा है। मेरी दृष्टि के सामने अंधेरा दिख रहा है और वह

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION, MADHYA

न क्र.

प्रियतम की छाया दिखाई दे रही है और यह मेरे विरह वेदना तथा प्रियतम (सिद्धार्थ) के तप का ही ताप है जो यह धरती जल रही है।

विशेष (1) प्रस्तुत पद्य मे यशोधरा के विरह को व्यक्त किया है

(2) यशोधरा तथा सिद्धार्थ के ताप के कारण धरती जल उठी है।

प्रश्न - 25 का उत्तर

(i) शीर्षक - 'समय का सदुपयोग'।

(ii) जीवन मे सफल होने के लिए समय का सदुपयोग करना अत्यन्त आवश्यक है।

(iii) समय सबसे अधिक मुल्यवान है।

(iv) समय एक अमूल्य धन है, इसका सदुपयोग करना अत्यन्त आवश्यक है। समय दुबारा पुनः प्राप्त नही हो सकता। जो समय नष्ट करता है, उसे समय स्वयं नष्ट कर देता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 26 का उत्तर

(i) शीर्षक - 'तृण का जीवन व कर्म'।

(ii) तृण का जीवन बहुत छोटा है और वह कर्म की पूर्ति मे जीवन दे देता है।

(iii) सूर्य ही सारे विश्व मे शोभा फैलाता है और वर्षा भी करता है और सभी लोग अपने कर्म मे लिप्त है एक नितान्त उद्देश्य को लेकर और अपना जीवन उसे प्राप्त करने मे लगा देते है।

B
S
E

प्रश्न क्र. 27 का उत्तर

इलाहबाद, शान्ति नगर
प्रिय मित्र सोहन वार्ड क. - 08.

मैं यहाँ सकुशल हुँ और आशा करता हुँ कि तुम भी वहाँ सकुशल होंगे। अगले माह तुम्हारी परीक्षा है और तुम्हे पिछले बार की तरह प्रथम आना है। तुम पढ़ाई करने का एक निश्चित समय सारणी बना लो और उसके हिसाब से पढ़ाई करो। रात को ज्यादा जागरण न करके प्रातः जल्दी उठ जाना तथा मन लगाकर पढ़ाई करना। योग व व्यायाम भी करना इससे एकाग्रता बढ़ती है। और अपना एक परम लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करना।
मेरी शुभकामनाएं सदैव तुम्हारे साथ रहेंगे।

तुम्हारा प्रिय मित्र
राम

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECOND

प्रश्न क्र.

प्रश्न - २४. का उत्तर

(अ) (i) पर्यावरण संरक्षण : हमारा दायित्व

(१) प्रस्तावना
(२) पर्यावरण और मनुष्य
(३) पर्यावरण मे होने वाली क्षति
(४) हमारा दायित्व
(५) संरक्षण करने मे शासन का साथ
(६) उपसंहार

B
S
E

प्रस्तावना - आज हम हमारे पर्यावरण को अत्याधीक उपयोग कर रहे है परन्तु उसके संरक्षण का दायित्व नही निभा पा रहे है। हमें हमारी प्रकृति के सभी संसाधनो का सावधानी से उपयोग करना होगा। पर्यावरण के बिना जीवन संभव नही है।

पर्यावरण और मनुष्य - पर्यावरण और मनुष्य दोनों ही एक दूसरे के पूरक है। मनुष्य का जीवन पर्यावरण के बिना असंभव है। हमे हमारे भोजन कपड़े से लेकर अपने मन की शांति पाने तक पर्यावरण का

ARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECO ... DUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYA

श्न क्र.

ही सहारा लेना पड़ता पड़ता है। यहाँ के पशु - पक्षियों तथा सभी जीव एक दूसरे पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर है। परन्तु आज विभिन्न प्रकार के क्रान्ति के कारण हमारा सारा पर्यावरण असंतुलित हो गया है।

(3) पर्यावरण मे होने वाली क्षति - आज मनुष्य के कर्मों के कारण प्रकृति क्षतिग्रस्त हो रही है। जैसे ओजोन परत पर छिद्र तथा प्रदुषण से हानी और वनो की कटाई जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याऐं हो रही है।

हमारा दायित्व - हमारा प्रकृति के प्रति यह दायित्व है। कि उसके उ होने वाली हानि से बचाए। अतः अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिये तथा पॉलीथीन का उपयोग नही करना चाहिये। जीव - जन्तुओ को अपने स्वार्थ के लिये नही मारना चाहिए।

B
S
E

OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SE

EDUCATION, MADHYAPRADSEH, BHOPAL BOARD OF SECON

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

शासन के कार्य - यह शासन को चाहिए की वह अलग - अलग नियमो को लागु करे जिससे हमारी प्रकृति तथा पर्यावरण संरक्षित हो। शासन को हर - स्तर पर प्रयास करना चाहिये कि वह इस पर्यावरण को सुरक्षित रख सके।

B
S
E

उपसंहार - पर्यावरण और हम एक दुसरे के बिना नही रह सकते। अतएव हमे चाहिये की अपने कर्तव्यो को पहचानो और उसका पालन करे। पशु - पक्षिया, पेड़ - पौधे सबको बचाने के लिए हमे आवश्यक कदम उठाना होगा।

मध्यप्रदेश
ARYEDUCATION MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECO
DUCATION,MADHAYPRADSEH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYA

श्न क्र.

B
S
E

(ब) जल ही जीवन है

(I) प्रस्तावना
(II) जल और हम
(III) जल का महत्व
(IV) जल के विभिन्न स्त्रोत
(V) जल प्रदूषण
(VI) जल प्रदूषण को रोकने के उपाय
(VII) जल के बिना जीवन असंभव
(VIII) जल का प्राकृतिक संतुलन
(ix) जल के उपयोग
(X) उपसंहार